हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 204 | देहरादून, सोमवार, 05 फरवरी 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 16

खटीमा में बन रहा सबसे बड़ा केंद्रीय विद्यालय

3

सीएम ने पौड़ी को दिया 800 करोड़ की 353 योजनाओं का तोहफा

'दिशा ध्याणी, ब्यै-ब्वारी' कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 5 फरवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी में 800 करोड़ लागत की 353 विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसमें 134.61 करोड़ की 196 योजनाओं का लोकार्पण तथा 666.13 करोड़ की 157 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी में विशाल जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पौड़ी की यह भूमि सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र, तीलू रौतैली, वीर माधो सिंह, जसवंत सिंह रावत और भारत के प्रथम सीडीएस रहे विपिन रावत की भूमि है। उन्होंने कहा कि कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें पौड़ी की पवित्र भूमि पर आने और मातृशक्ति को समर्पित कार्यक्रम में जन कल्याण की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने का सुअवसर मिल रहा है। आज पौड़ी गढ़वाल के लिए 800 करोड़ से अधिक की लोक कल्याणकारी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इन योजनाओं से पौड़ी गढ़वाल का और तेजी से विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उत्तराखंड में देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। धर्मांतरण रोकने के लिए भी कानून बनाया गया है। प्रदेश की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था भी प्रारंभ की। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को भी लागू करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। कल ही हमें कमेटी द्वारा इसका ड्राफ्ट भी सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप राज्य सरकार प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा कण्डोलिया मैदान में महिला सशक्तिकरण को समर्पित 'दिशा ध्याणी, ब्वै-ब्वारी' सम्मेलन कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रांसी स्टेडियम में शहीद जसवंत सिंह रावत जी की मूर्ति का अनावरण किया। उसके बाद कण्डोलिया

- रांसी स्टेडियम में शहीद जसवंत सिंह रावत जी की मूर्ति का किया अनावरण
- कण्डोलिया में जनरल बिपिन रावत पार्क का भी किया लोकार्पण
- कण्डोलिया मंदिर में पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश की खुशहाली की की कामना

पार्क में अर्बन हाट और महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किये गये उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने कंडोलिया मंदिर के दर्शन करते हुए देश-प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल कंडोलिया मैदान में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विभागों की ''16 सामान्य स्टॉल, 05 लाइव स्टॉल (भीमल पेंटिंग, पिरूल व खजूर के क्राफ्ट निर्माण, उत्तराखण्ड के भाण्ड-कुण्ड, मथनी से मठ्ठा निकालना, जांदरा व ओखली का प्रदर्शन) तथा फोटो प्रदर्शनी (जी-20, बीट्ल्स फेस्टिवल तथा सिलक्यारा टनल रेस्क्यू) का अवलोकन करते हुए नारी सशक्तिकरण और प्रदेश के विकास के संबंध में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किये गये कार्यों और प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग के स्टॉल में बदरी गाय और बछिया का पूजन कर लाइव स्टॉल में ओखली से अनाज कूटा और जंदरे में भी हाथ अजमाया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की गयी गंगा पथ पर आधारित ''कॉफी टेबल बुक'' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा कण्डोलिया में ही स्व0 जनरल बिपिन रावत के पार्क का लोकार्पण किया, जहां पर जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा और 101 फीट ऊंचा तिरंगा आकर्षण का केन्द्र रहा। इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनमानस को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' व ड्रग फ्री देवभूमि-2025 की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कंडोलिया थीम पार्क में महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से लगाए गए अर्बन हाट का निरीक्षण के दौरान महिलाओं के स्वरोजगार के प्रयासों से बेहद खुश नजर आए। हाट में लगाए गए स्टॉलों के भ्रमण के दौरान महिलाओं ने सीएम को उत्पाद चखाए। सीएम के आत्मीय व्यवहार और रोजगार के बारे में बारीकी से जानकारी लिए जाने पर मातृशक्ति प्रफुल्लित नजर आई। हाट में महिलाओं ने मोटे अनाज के उत्पाद, अर्से, पकोड़े, अचार, चटनी और दाल के पकोड़े रखे थे। मातृ शक्ति के

अनुरोध पर सीएम ने उत्पादों का स्वाद चखा।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक स्टॉल में जाकर उत्पादों की जानकारी लेने के साथ ही इससे हो रहे लाभ के बारे में सवाल किए। मुख्यमत्री ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति बहुत बढ़िया काम कर रही हैं। इसका लाभ उनके परिवार सहित प्रदेश को मिलेगा। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने सरकार के वोकल फॉर लोकल के नारे का अनुसरण करते हुए स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया है। वह चाहती हैं कि आत्मनिर्भर बनने के साथ ही स्थानीय उत्पादों का प्रचार-प्रसार हो। ''दिशा ध्याणी, ब्यै-ब्वारी '' सम्मेलन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और डॉ0 धन सिंह रावत ने भी प्रतिभाग करते हुए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा देश-प्रदेश के विकास के किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

उत्तराखंड : 5 जिलों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 फरवरी : उत्तराखंड मौसम विभाग द्वारा राज्य में सुहावने मौसम के बीच 6 फरवरी तक का मौसम का पूर्वानुमान जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर अगले तीन दिन तक उत्तराखंड में कहीं पर बर्फबारी और कहीं गर्जना के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग द्वारा बताए गए मौसम अपडेट के आधार पर राज्य के लगभग सभी जिलों में कुछ दिनों तक ठंड अधिक बढ़ेगी। राज्य के पहाड़ी इलाकों में बारिश के साथ-साथ बर्फबारी भी होगी। अगले 6 फरवरी तक लगातार बारिश और बर्फ़बारी होने की सम्भावना है। राज्य के उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों के कुछ भागों में घना कोहरा लगने की सम्भावना है।

उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों के कुछ भागों में घने कोहरे के साथ वहां तेज बारिश होने की भी संभावना है। उत्तराखंड मौसम विभाग ने राज्य के हिमालय क्षेत्र के जिलों में कहीं-कहीं बहुत ही हल्की वर्षा और बर्फबारी होने की संभावना जताई है। राज्य मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि राज्य के 2800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी मात्रा में बर्फबारी हो सकता है। 5 फरवरी को उच्च हिमालय क्षेत्र में भारी बर्फबारी तथा 6 फरवरी को चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग ,टिहरी , बागेश्वर, तथा पिथौरागढ़ जनपदों में बर्फबारी के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तराखंड के टिहरी, पौड़ी और देहरादून जिलों में कहीं-कहीं तेज गरज के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने तथा ओलावृष्टि होने इसके अलावा अल्मोड़ा, नैनीताल, चंपावत, ऊधमसिंह नगर तथा हरिद्वार जिलों में 5 को गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा ओलावृष्टि होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

फ्लाइट में पायलट और को-पायलट को क्यों दिया जाता है अलग-अलग खाना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

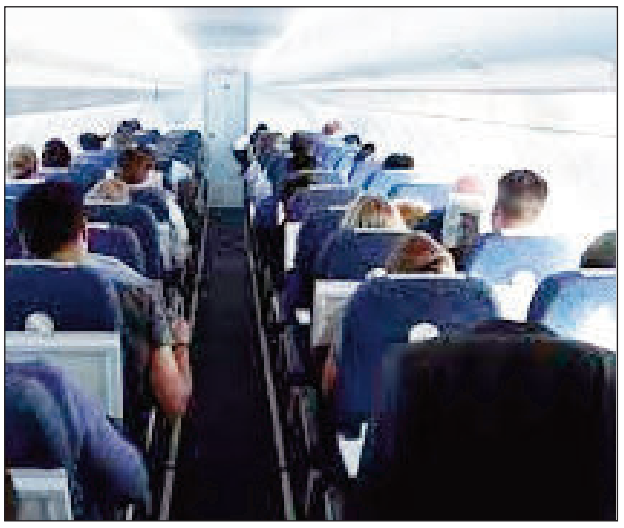

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फरवरी , हवाई जहाज में सफर के दौरान आपने देखा होगा कि दो पायलट होते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन दोनों पायलटों को अलग-अलग खाना दिया जाता है. आज हम आपको इसके पीछे की वजह बताएंगे .हवाई जहाज में सफर करने के दौरान आपने ध्यान दिया होगा कि एक प्लेन में दो पायलट्स होते हैं. जब फ्लाइट लंबे दूरी की होती है, तो यात्रियों की तरह पायलट भी अपना लंच और डिनर फ्लाइट में ही करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि पायलट और को-पायलट दोनों को एक तरह का खाना नहीं दिया जाता है. आज हम आपको इसके पीछे का कारण बताएंगे ,जो बेहद दिलचस्प है.

फ्लाइट में पायलट और को-पायलट को इसलिए अलग-अलग खाना दिया है, क्यों अगर किसी के खाने में गड़बड़ी हो, उस स्थिति में दोनों पायलट बीमार ना पड़े. आसान भाषा में कहे तो फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए अलग-अलग खाना दिया जाता है. क्योंकि फ्लाइट में बहुत सारे यात्री होते हैं और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पायलट की होती है. अलग-अलग खाना देने का मकसद ये होता है कि अगर फूड पॉइजनिंग होती है, तो दोनों में से एक पायलट सुरक्षित रहे.

जानकारी के मुताबिक साल 1984 में लंदन से न्यूयॉर्क के बीच चलने वाली कॉनकॉर्ड सुपरसॉनिक फ्लाइट पर एक ऐसी घटना हुई थी, जिससे सब लोग हैरान थे. दरअसल फ्लाइट पर सवार 120 यात्री और क्रू के सभी सदस्यों को गंदा खाना खाने के चलते फूड पॉइजनिंग हो गई थी. इसके बाद उन्हें बुखार, उल्टी, और डायरिया हो गया था. न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक फूड पॉइजनिंग से एक शख्स की तो मौत भी हो गई थी. इस दौरान पायलट्स को बहुत समस्या हुई थी, बहुत मुश्किल से उन्होंने फ्लाइट को लैंड कराया था.

कई एयरलाइंस बनाती हैं अलग खाना

2012 में सीएनएन द्वारा किए गए एक कोरियन पायलट के इंटरव्यू में भी इस बात का खुलासा हुआ था कि पायलट को फूड पॉइजनिंग से बचाने के लिए अलग-अलग खाना दिया जाता है. आमतौर पर पायलट को फर्स्ट क्लास का खाना दिया जाता है, तो को-पायलट को बिजनेस क्लास का खाना मुहैया कराया जाता है. इतना ही नहीं कई एयरलाइन्स कॉकपिट के क्रू के लिए पूरी तरह से अलग खाना बनाती हैं. पायलट को अलग से सादा खाना एयरलाइन की तरफ से दिया जाता है.

आपकी हथेली के पर्वत बताते हैं खूबियां और कमज़ोरियाँ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फरवरी , हाथ में रेखाओं, चिन्हों के साथ-साथ ग्रहों के पर्वत भी होते हैं। जो हमें हमारे जीवन के बारे में काफी कुछ बताते हैं। इन पर्वतों को देखकर ग्रहों की स्थिति का भी पता चल जाता है। हर ग्रह के पर्वत का हाथ में निश्चित स्थान होता है। अगर उस स्थान पर सामान्य से अधिक उभार दिखाई देता है तो इसका मतलब आपका उस स्थान वाला ग्रह काफी मजबूत है। वहीं अगर पर्वत दबा हुआ दिखाई देता है तो इसका मतलब है कि आपका ग्रह कमजोर है। जानिए हथेली में किस स्थान पर कौन से ग्रह का पर्वत होता है।हथेलियों में उँगलियों के नीचे और हथेली के विशिष्ट क्षेत्र को पर्वत कहा जाता है। इन्हीं पर्वतों के द्वारा जातक के स्वभाव की विशेषताएँ और खूबियां-कमियां मालूम होती हैं। हमारी हथेली में मुख्यतः 7 प्रकार के पर्वत पाये जाते हैं। आइये जानते हैं हथेली में पाये जाने वाले इन पर्वतों के स्थान और महत्व को-

गुरु पर्वत

यदि आपके हाथ में गुरु पर्वत पूर्ण रूप से विकसित हो और इस पर्वत पर एक रेखा हो तो ऐसे लोगों के अंदर काफी ऊर्जा होती है और इसका प्रयोग ये अच्छे कार्यों में करते हैं। ऐसे जातकों को कई बार भविष्य में होने वाली घटनाओं का भी पूर्वाभास हो जाता है। इन्हें सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। ये आगे चलकर एक अच्छा करियर बना पाते हैं।

शनि पर्वत

जिन जातकों का शनि पर्वत बलशाली होता है उनके भाग्य में सदैव वृद्धि होती है और उन्हें कोई आगे बढ़ने से रोक नहीं पाता है। ऐसे जातकों के पास धन सदैव बना रहता है। इनकी तरक्की निरंतर होती रहती है, इन्हें कम मेहनत में ही सफलता प्राप्त होती है।

सूर्य पर्वत

किसी व्यक्ति के हाथ में बुध पर्वत पर एक रेखा होती है तो व्यक्ति धनवान होता है और उसके जीवन में समृद्धि आती है। ऐसे जातक आगे चलकर सफल व्यापारी बनते हैं और उन्हें अच्छा खासा मुनाफा होता है। हो सकता है कि उनके जीवन में कभी उतार-चढ़ाव आए तो भी वह उससे आसानी से पार पा लेते हैं और जीवन में आगे बढ़ते जाते हैं।

शुक्र पर्वत

शुक्र पर्वत का उठा हुआ होना व्यक्ति के सुखी वैवाहिक जीवन को दर्शाता है। यदि किसी व्यक्ति के शुक्र पर्वत पर एक रेखा हो तो ऐसे जातक तीव्र काम वासना वाले होते हैं। इनके मन में कामुकता सदैव बढ़ी रहती है और इनके मन में विपरीत लिंग के प्रति विशेष आकर्षण होता है

चंद्र पर्वत

चंद्र पर्वत व्यक्ति की सेहत को लेकर विशेष भूमिका निभाता है। जिनके हाथ में चंद्र पर्वत ठीक से विकसित होता है वे बीमारियों से दूर रहते हैं। जिनके चंद्र पर्वत पर एक रेखा होती है, उन्हें हमेशा परिवार में भी सुख की प्राप्ति होती है।

मंगल पर्वत

यदि मंगल पर्वत पर एक रेखा हो तो ऐसे जातकों में ऊर्जा का परम भंडार होता है और ऐसे जातक साहसी और पराक्रमी होते हैं। इन्हें अपने जीवन में सबसे अधिक लाभ प्राप्त होता है। इनकी राशि पर अग्नि तत्व का प्रभाव होने के कारण इनके जीवन में सदैव उत्साह बना रहता है।

सुर्ख़ियों में है आईपीएस दूल्हा आईएएस दुल्हन की 1 रुपये में हुई शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 फ़रवरी , चूरू के गांव खांसोली में हुई एक शादी काफी चर्चा में है। यहां दूल्हा हेलिकॉप्टर से दुल्हन को लेकर पहुंचा और महज एक रुपए और नारियल में शादी की। यह शादी गांव के आईपीएस देवेंद्र रूयल और आईएएस अपराजिता की है। गांव खांसोली के दयानंद रूयल के पुत्र देवेंद्र रूयल और भरतपुर के डॉ. अमर सिंह सिनसिनिवार की आईएएस बेटी अपराजिता की शादी 31 जनवरी को सिर्फ एक रुपए और नारियल लेकर की गई है।

आईपीएस दूल्हा देवेंद्र अपनी नई नवेली आईएएस दुल्हन अपराजिता को हेलीकॉप्टर से विदा कराकर लाए। एक खुशनुमा माहौल में आईपीएस और आईएएस की शादी पूरी रस्मों रिवाज के साथ शादी सम्पन्न हुई। दूल्हा देवेंद्र और दुल्हन अपराजिता हेलिकॉप्टर से खासोली गांव पहुंचे। हेलिकॉप्टर से आई आईएएस दुल्हन को देखने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं और रिश्तेदार जोहड़े में बनाए अस्थाई हेली पैड पर एकत्रित हो गए।

दुल्हन लेकर पहुंचे दूल्हे के स्वागत के लिए राजस्थानी लोकगीतों के साथ ढप और चंग का अलग से प्रोग्राम रखा गया था। हेलिकॉप्टर आने के बाद अस्थाई हेली पैड से स्वागत के लिए कारपेट लगाया गया, जिसके दोनों ओर फूलों के गुलदस्ते लगाए गए थे। ग्रामीण महिलाएं राजस्थानी लोक गीत गा रही थी। पूरा गांव दूल्हा-दुल्हन का पल्लक पावड़े बिछाकर इंतजार कर रहे थे। दूल्हा देवेंद्र रूयल आईपीएस और दुल्हन आईएएस अपराजिता उत्तर प्रदेश में पोस्टेड हैं।

हेलीकॉप्टर से आई दुल्हन को देखने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं और रिश्तेदार बनाए गए अस्थाई हेलीपैड पर इकट्ठे हो गए, दुल्हन लेकर पहुंच दूल्हे के स्वागत के लिए राजस्थानी लोकगीतों के साथ ढप और चंग का अलग से कार्यक्रम रखा गया था। हेलीकॉप्टर आने के बाद अस्थाई हेलीपैड से स्वागत के लिए कारपेट लगाया गया जिसके दोनों ओर फूलों के गुलदस्ते लगाए गए थे।

ग्रामीण महिलाएं राजस्थानी भाषा में विवाह के गीत गा रही थी, पूरा गांव अपने लाडले आईपीएस और आईएएस बहू और बेटे का पलक पावड़े बिछा कर इंतजार कर रहे थे। दुल्हन अपराजिता के पिता डॉ. अमर सिंह सिनसिनिवार और माता डॉ. नितिन दोनों डॉक्टर हैं, जो भरतपुर में रहते हैं। वहीं, दूल्हे आईपीएस देवेंद्र रूयल के पिता दयानंद रुयल एसडीएम हैं और माता सुमित्रा ग्रहणी हैं।

खटीमा में बन रहा सबसे बड़ा केंद्रीय विद्यालय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 फ़रवरी , प्रदेश का सबसे बड़ा केंद्रीय विद्यालय सीमांत क्षेत्र खटीमा में खुलने जा रहा है। 30 अप्रैल 2024 को कार्यदायी संस्था केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लूडी) को विद्यालय का भवन हैंडओवर कर देगा। जिसके बाद से यहां पर एक से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

खटीमा में बन रहा है प्रदेश का सबसे बड़ा केंद्रीय विद्यालय

प्रदेश का सबसे बड़ा केंद्रीय विद्यालय खटीमा में बन रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक खटीमा में साल 2019 से अस्थायी रूप से बंडिया गांव में जीआईसी के पुराने भवन में केंद्रीय विद्यालय संचालित हो रहा है। जिसमें कक्षा छह से नवीं तक के बच्चे पढ़ते हैं। वर्तमान में यहां करीब 350 बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन जल्द ही केंद्रीय विद्यालय को अपना भवन मिल जाएगा।

38 करोड़ रुपए से बनाया जा रहा है विद्यालय भवन

मिली जानकारी के मुताबिक खटीमा में करीब 38 करोड़ रुपए के बजट से केंद्रीय विद्यालय का भवन बनाया जा रहा है। निर्माणाधीन केंद्रीय विद्यालय के भवन का निर्माण कार्यदायी संस्था केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को 30 अप्रैल 2024 तक पूरा करना है। केंद्रीय विद्यालय के भवन का निर्माण को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के एई प्रणय राठौर के मुताबिक केंद्रीय विद्यालय का निर्माण कार्य जनवरी 2023 से शुरू किया गया था। जिसे तय समय तक पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

पुलिस ने कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए अस्सी ली. शराब पकड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए 80 ली. कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से कुल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जबकि एक आरोपी महिला भागने में कामयाब रही। शनिवार को पुलिस सूर्य नगर तिराहे पर गश्त कर रही थी। इस दौरान धौराडाम की ओर से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर बाइक सवार वापस मुडने लगा। इस प्रयास में उसकी बाइक गिर गई। लेकिन आरोपी भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने बाइक से 40 ली. कच्ची शराब बरामद की। दूसरी घटना में पुलिस एमपी चौक पर गश्त कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली पुरानी गल्ला मंडी के निकट एक महिला व पुरुष कच्ची शराब बेच रहे है। पुलिस के मौके पर पर पहुंचने पर आरोपी महिला फरार हो गयी जबकि पुरुष को पुलिस गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना नाम विनोद निवासी पुरानी गल्ला मंडी किच्छा व भागी हुई महिला को अपनी पत्नी बताते हुए उसका नाम काली बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 20 ली. कच्ची शराब बरामद की।

तीसरे मामने में पुलिस ने दरऊ चौक के निकट अग्रसेन पार्क के पीछे कच्ची शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना नाम संजय गुप्ता निवासी दरऊ रोड किच्छा बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 20 ली. कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुरानी पेंशन को महत्व नहीं दिए जाने पर मोर्चा नाराज

पौड़ी। केंद्रीय अंतरिम बजट मे केंद्र सरकार द्वारा कर्मचारियों की पुरानी पेंशन को महत्व नहीं दिए जाने पर पुरानी पेंशन बहाली मोर्चा ने नाराजगी जताई है। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली सयुंक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारी इस केंदीय अंतरिम बजट से उदास है। जबकि कर्मचारियों को पूरी उम्मदी थी कि इस बजट में पुरानी पेंशन को लेकर ठोस कदम उठाए जाएंगे। मोर्चा के प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया उसमे कार्मिको की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन को महत्व नहीं दिया गया है जिससे पूरे देश के कार्मिको मे निराशा हुई है। पुरानी पेंशन कार्मिको के बुढ़ापे से जुड़ा विषय है, लम्बे समय से इस मांग के लिए संघर्ष के बावजूद अभी तक केंद्र सरकार द्वारा सकारात्मक रुख न अपनाया जाना लोक सभा चुनाव में नुकसान कर सकता है। कहा कि देश के कार्मिक आज केंद्र सरकार द्वारा पेश अंतरिम बजट से निराश व उदास है।

युवा कांग्रेस ने सीएम के दौरे को बताया निराशाजनक

पौड़ी। बीते शनिवार को मुख्यमंत्री के पौड़ी दौरे पर युवा कांग्रेस ने आक्रोश व्यक्त किया गया। युवा कांग्रेस ने सीएम के दौरे को निराशाजनक बताया है। कहा कि इस दौरे से पौड़ी के लोगों को निराशा हाथ लगी है। पत्रकारों से बातचीत में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहित सिंह ने कहा कि एक बार फिर पौड़ी के लोगों को निराशा हाथ लगी है। सीएम के दौरे में सरकारी मशीनरी का खुलेआम जमकर दुरुपयोग कर किया गया। आरोप लगाया कि कर्मचारियों को शोषण कर जिला प्रशासन की मदद से भीड़ तो जुटा ली लेकिन पौड़ी मंडल मुख्यालय को कोई भी ऐसी सौगात नही दी गयी जिससे कि मण्डल पौड़ी की दुर्दशा में सुधार हो सके। कहा कि 800 करोड़ की हवा हवाई घोषणा में भी पौड़ी को कुछ नहीं मिला बल्कि इससे ज्यादा पैसा तो जिला प्रशासन के द्वारा उनके सम्मान में खर्च दिए गए, जिससे सरकारी खजाने का नुकसान हुआ है। आरोप लगाया कि पौड़ी मुख्यालय की एक समस्या पर भी मुख्यमंत्री नही बोले। कहा कि सरकार पहाड़ की बेटी अंकिता भंडारी को इंसाफ देने की बजाए अपने नेताओं को बचाने का प्रयास कर रहे है, बेटी बचाओ की झूठी शपथ दिलाई गई है। कहा कि मुख्यमंत्री केवल सरकारी खजाने की लूट करने व घोषणा करने आते है, उन्हें जनता से कोई लेना देना नही है। इस मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आशीष नेगी, संजना गुजराल, अंकित सुंदरियाल, मुकुल कुमार, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

चार छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की

पौड़ी। राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तराखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) परीक्षा परिणाम में राजकीय इंटर कॉलेज क्यार्क के चार छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है। जिसमें एक छात्र अभय सिंह नेगी ने राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना तथा तीन छात्र-छात्राओं आशुतोष रावत, खुशी तोमर एवं मयंक नौटियाल ने श्री देव सुमन राज्य मेधावी छात्रवृत्ति योजना में सफलता प्राप्त की है। सभी सफल छात्रों को प्रतिमाह कक्षा 12 तक 1 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर कमलेश कुमार मिश्र ने बताया कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को इस परीक्षा हेतु विशेष तैयारी के साथ पठन-पाठन कराया गया। उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों से लगातार विद्यालय के छात्र-छात्राएं इस परीक्षा में सफलता हासिल कर रहे हैं और छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं, छात्रों की सफ़लता पर खंड शिक्षा अधिकारी मास्टर आदर्श ने विद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अध्यापक अभिभावक एसोशिएसन के अध्यक्ष भरत सिंह रावत ने छात्र-छात्राओं की सफलता पर एवं विद्यालय में पठन-पाठन पर संतोष व्यक्त करते हुए सफलता के लिए सभी अध्यापकों को बधाई दी है।अध्यापक अभिभावक एशोसिएसन के संरक्षक मंगत सिंह गुसाईं ने छात्रों को शुभकामनाए दी है। छात्रों की सफलता पर विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें सफल छात्रों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

संक्षप्ति खबरें

भटवाड़ी में डेढ़ लाख की चरस पकड़ी

उत्तरकाशी। मनेरी पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध चरस की तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस ने 832 ग्राम अवैध चरस बरामद कर मनेरी थाना में मुकदमा पंजीकृत किया है। चरस की बाजार कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। सीओ प्रशांत कुमार के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक मनेरी प्रमोद उनियाल व एसओजी प्रभारी प्रकाश राणा के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने गत रात्रि को गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान भटवाड़ी से आगे बार्सू बैण्ड के पास टीम ने नत्थी सिंह पुत्र स्व. पिरथी सिंह (48) निवासी ग्राम कुज्जन, भटवाड़ी को 832 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। एसपी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि ड्रग्स फ्री देवभूमि-2025 व आगामी लोकसभा चुनाव के मध्यनजर पुलिस सतर्क है। पुलिस बैरियर व नाकों पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। टीम में एसआई निखिल देव चौधरी, जयवीर सिंह और एसओजी टीम के सदस्य थे।

मालन पुल के निर्माण को लेकर सडक़ पर उतरे

कोटद्वार। मालन पुल निर्माण, कोटद्वार में मेडिकल कालेज निर्माण, लालढ़ांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण व कण्वाश्रम के विकास कार्य में लेटलतीफी होने पर कोटद्वार की जनता का आक्रोश सडक़ पर फूट पड़ा। आक्रोशित जनता ने पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले मालन पुल से तहसील तक रैली निकाली और शासन को ज्ञापन प्रेषित किया। रविवार को हल्की बारिश के बाद भी क्षेत्रीय जनता और अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले मालन पुल पर एकत्रित हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मालन पुल को टूटे छह माह से अधिक का समय हो गया है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक पुल निर्माण की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार के ढुलमुल रवैये के कारण पुल निर्माण कार्य मुश्किल लग रहा है, ऐसे में अगले बरसात तक भाबरवासियों को वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करना पड़ेगा। कहा कि कोटद्वार विधान सभा विकास कार्यों में पहले ही पीछे छूट चुकी है। यहां के लिए हुई घोषणाएं धरातल पर नहीं उतर पाई हैं। इसलिए पूर्व सैनिकों को बार-बार आक्रोश रैली का आयोजन करना पड़ रहा है। तत्पश्चात मालन पुल से लोग वाहनों से देवी मंदिर पहुंचे और देवी मंदिर से रैली की शक्ल में तहसील पहुंचे और प्रशासन को ज्ञापन प्रेषित किया।
रैली में समिति अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत, सी पी डोबरियाल, आर पी पंत, गजेंद्र धस्माना, कुबेर जलाल, प्रमोद रावत, देवेंद्र बिष्ट और सुरेश नेगी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता शामिल रही।

बैंक में बंधक भूमि बेचने के तीन आरोपी साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त

काशीपुर। बैंक में बंधक भूमि धोखाधड़ी से बेचने के तीन आरोपियों को द्वितीय एसीजे/ न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। सुनवाई के दौरान दो अन्य आरोपियों की मृत्यु हो गई थी। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक जीएस कुश्वाहा ने 11 अक्तूबर, 2004 को काशीपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 06 मई 1989 को मुखेजा रबर्स ने एसबीआई से टर्म लोन लिया था। ऋण की अदायगी के लिए ग्राम सरवरखेड़ा निवासी मोहम्मद उमर पुत्र सुवराती, बहादुर अली, रियाज अली पुत्रगण झब्बे, शखावत पुत्र अहमद हसन और अब्दुल सलाम पुत्र नन्हें ने अपनी-अपनी भूमि बतौर गारंटर बैंक के पास बंधक रखी थी। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के प्रस्ताव पर 20 जून 1991 को कर्ज की लिमिट बढ़ाकर भूमि के अधिकार पत्र बैंक के पास रखकर बंधक रखे गए। तहरीर पर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज किया। केस की विवेचना के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ चार जून 2005 को आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। कंपनी के डायरेक्टर्स और जमानतियों के विरूद्ध वसूली वाद डैब्ट रिकबरी ट्रिब्युनल, देहरादून में भी लंबिज है। केस की सुनवाई के दौरान दो आरोपियों बहादुर अली और सखावत हुसैन की मौत हो गई। अन्य तीन आरोपियों के खिलाफ केस पर विचारण हुआ। बचाव पक्ष की ओर से अजय कुमार अरोरा एड ने पैरवी की। संबंधित पक्षों को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर द्वितीय एसीजे/न्यायिक मजिस्ट्रेट चेतन सिंह गौतम ने तीनों आरोपियों को साक्ष्यों के आधार पर दोषमुक्त कर दिया।

55 लीटर कच्ची शराब के साथ तीन गिरफ्तार

काशीपुर। पुलिस ने बाइक सवार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 55 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। थाना आईटीआई पुलिस के उपनिरीक्षक प्रकाश सिंह बिष्ट ने दोहरी परसा रेलवे फाटक के पास से छोटी बरखेड़ी निवासी राजेंद्र सिंह पुत्र जरनैल सिंह को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। कटोराताल चौकी पुलिस ने मानपुर निवासी हरजीत पुत्र गुरबाज को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ धर दबोचा। वहीं कुंडा थाना पुलिस ने ग्राम बाबरखेड़ा निवासी नरेश कुमार पुत्र बिहारी लाल को गिरफ्तार कर एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में 15 लीटर शराब बरामद की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों का आबकारी एक्ट में चालान किया है।

शॉर्ट सर्किट से घर में आग, बाइक समेत घरेलू सामान जला

काशीपुर। शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगने से बाइक और हजारों रुपये कीमत का सामान जल गया। पड़ोसियों की मदद से परिजनों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। गांव हरलालपुर निवासी रहीश अहमद पुत्र बारिश अहमद ने बताया है कि शनिवार की रात अपने परिवार के साथ मकान के अंदर सोया हुआ था।देर रात शॉर्ट सर्किट से मकान में अचानक आग लग गई। कमरे में आग की ऊंची ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देख परिजन घर से बाहर की ओर भागे। उनका शोर सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इसमें लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। घंटों की मशक्कत के बाद पानी से आग पर काबू पाया। तब तक घर का कीमती सामान जल गया। इस आग में एक बाइक, बेल्डिंग मशीन, बर्तन, कपड़े आदि आग में जल कर राख हो गए। पीड़ित ने प्रशासन से मुआवजा दिलाने की मांग की है।

4.90 किग्रा गांजा के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर। छात्रों को गांजा बेचने आया एक व्यक्ति पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसके पास से 4.90 किग्रा गांजा व 1500 रुपये की नगदी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी का एनडीपीएस एक्ट में चालान किया है। एक सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम प्रतापपुर में बाजार से डीएमसी की ओर जाने वाले रोड पर कुमांऊ कॉलोनी निवासी फैजान पुत्र नन्हे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्लास्टिक के कट्टे में भरा 4.90 किग्रा गांजा बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने यह गांजा थारी, रामनगर जंगल के पास से एक व्यक्ति से खरीदकर लाने की जानकारी दी है। जिसकी छोटी-छोटी पुडिया बनाकर स्कूल में पढने वाले छात्रों व अन्य नशेडियों को बेचता है। युवक के कब्जे से 1500 रुपये की नगदी और एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी का एनडीपीएस एक्ट में चालान किया है।

अजीबोग़रीब में ग़रीब का क्या मतलब है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फरवरी , रोजाना कई बार हम ऐसे शब्दों को बोलते हैं जिन्हें कहां, कब और किस स्थिति में बोला जाना है ये तो हमें पता होता है लेकिन शायद हम इस बात से अनजान होते हैं कि उसका मतलब क्या है. इसी तरह का एक शब्द है 'अजीबोगरीब'. दरअसल अजीबोगरीब शब्द में अजीब तो ठीक है लेकिन कभी सोचा है कि इसमें गरीब का मतलब क्या होता है. नहीं सोचा तो चलिए जान लेते हैं.

अजोबोगरीब में गरीब का मतलब क्या होता है?

दरअसल अजीबो गरीब दो शब्दों से मिलकर बना है. अजीब मूल रूप से अरबी भाषा का शब्द है जो अरबी से फारसी और फिर उर्दू में इस्तेमाल किया जाने लगा. इस शब्द का अर्थ है विचित्र, अद्भुत इत्यादि. साधारण शब्दों में कहें तो कुछ अनोखा, दिलचस्प या जो सामान्य से कुछ अलग हो.

क्या है गरीब शब्द का अर्थ

वहीं अजीबोगरीब में गरीब शब्द का अर्थ है अजनबी. यानी जिसे पहले देखा न हो या जो परदेसी हो. हालांकि फारसी में गरीब शब्द का अर्थ निर्धन से होता है. जो हमारे देश में काफी प्रचलित हो गया है, लेकिन जब हम अजीबोगरीब शब्द का इस्तेमाल कर रहे होते हैं तो उसमें गरीब शब्द का अर्थ निर्धन नहीं बल्कि अजनबी या अनजान होता है.

दो युग्म से बना एक शब्द

देखा जाए तो अजीबोगरीब में अजीब और गरीब का अर्थ लगभग समान ही है, ये शब्द युग्म से बने हैं. जब भी युग्मों से कोई शब्द बनता है तो दो एक जैसे शब्दों का ही उसमें इस्तेमाल किया जाता है. इस तरह अजीबोगरीब भी एक जैसे शब्द होने पर ही अधिक जुबां पर आ जाता है. हालांकि अब हमारी ये स्टोरी पढ़कर आपको अजीबोगरीब में गरीब का असल अर्थ पता चल ही गया होगा.

धामी सरकार ने IFS अधिकारी डा. पराग मधुकर को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

देहरादून , 5 फरवरी , मुख्य वन संरक्षक वन पंचायत एवं सामुदायिक वानिकी आईएफएस डा. पराग मधुकर धकाते को उनके वर्तमान पदभार के साथ-साथ सदस्य सचिव, उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रभार अतिरिक्त रुप से प्रदान किया गया है। उप सचिव सत्यप्रकाश सिंह की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि डॉ० पराग मधुकर धकाते, मुख्य वन सरक्षक, वन पंचायत एवं सामुदायिक वानिकी, उत्तराखण्ड को उनके वर्तमान पदभार के साथ-साथ सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून का प्रभार अतिरिक्त रूप से प्रदान किया जाता है।

यूसीसी पर कांग्रेस का स्टैंड भ्रामक और तर्कहीन : मनवीर चौहान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 फ़रवरी , भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने यूसीसी को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया को तर्कहीन और भ्रम फैलाने वाला करार दिया है। उन्होंने पलटवार किया कि सदन से पहले ड्राफ्ट सार्वजनिक करने की असंवैधानिक बात करने वालों को सदन में अपने विधायकों की क्षमता पर भरोसा नहीं है । केंद्र से कानूनी पहल की बात करते हैं उन्हें तो खुश होकर देवभूमि की पहल का स्वागत करना चाहिए ।

ड्राफ्ट सार्वजनिक करने की बात विधायकों की क्षमता पर शक

यूसीसी को लेकर विपक्ष के बयानों को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए चौहान ने कहा है कि भाजपा भारतीय संस्कृति, संविधान निर्माताओं की सोच एवं जन भावनाओं का सम्मान करते हुए इस कानून पर आगे बढ़ रही है। लेकिन कांग्रेस और उनके गठबंधन ने हमेशा एक समान कानून से देश में एकरूपता लाने की कोशिशों का हमेशा विरोध किया है। उन पर दबाव का ही असर है कि जो कल तक खुलकर इसे देश तोड़ने की साजिश कहते थे वह आज सार्वजनिक रूप से विरोध करने की हिम्मत नही जुटा पा रहे हैं ।

हालांकि आज भी तुष्टिकरण की नीति के तहत ही पूर्व सीएम हरीश रावत सदन में पेश होने वाले ड्राफ्ट को सार्वजनिक करने का कुतर्क दे रहे हैं, जबकि सभी जानते हैं कि सत्र आहूत है और उसमें ही ड्राफ्ट रखा जाना संवैधानिक है । जहां तक तर्क सुझावों का है तो जनता के मध्य डेढ़ साल में पर्याप्त चर्चा हुई है और कांग्रेस ने उसमे शामिल होना जरूरी नहीं समझा। उन्होंने कहा कि सदन के बाहर इस पर चर्चा करने की बात उनके डर को प्रतिबिंबित कर रहा है। साफ है कि उन्हे अपने विधायकों की तर्क क्षमता पर भरोसा नहीं है ।

चौहान ने कहा कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता बेबुनियादी सवाल कर रहे हैं कि कानून केंद्र से क्यों नही बनाया जा रहा है ? जबकि वे यूसीसी के पक्ष में नहीं हैं। यदि वह यूसीसी को चाहते हैं तो उन्हें प्रसन्न होना चाहिए कि देवभूमि ऐसा करनें वाला पहला राज्य बनने जा रहा है । लेकिन जनता को भरोसा है भाजपा ने 3 तलाक को समाप्त किया, कश्मीर से धारा 370 को भी हटाया और यूसीसी भी भाजपा ही लेकर आएगी । लेकिन कांग्रेस की टिप्पणियों से यह साफ हो गया है कि उन्होंने पहले भी यूसीसी का विरोध किया और अब भी विरोध जता रहे है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में राइंका जगतेश्वर का परचम

पौड़ी। श्री गायत्री परिवार हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में राइंका जगतेश्वर के छात्र छात्राओं ने अपना परचम लहराया है। स्कूल के कक्षा 7 के छात्र अंकित कुमार व कक्षा 11की अर्चना ने अपने अपने वर्ग में जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी परीक्षा में स्कूल के कक्षा 8 के छात्र प्रिंस कुमार ने अपने वर्ग में जनपद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं, राइंका जगतेश्वर के कक्षा 8 के तीन छात्र छात्राओं आशीष नेगी, आरती, हिमानी का चयन राष्ट्रीय छात्रवृति के लिए हुआ है। स्कूल के प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद उत्तराखंड द्वारा बीते दिसंबर में छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। चयनित छात्र छात्राओं को कक्षा 12 तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

गांव चलो अभियान चलाया

पौड़ी। विकसित भारत योजना को सफल बनाने के लिए भाजपा द्वारा मंडल स्तर पर गांव चलो अभियान चलाया जा रहा है। गांव चलो अभियान के लिए मंडल स्तर पर कार्यशाला का आयोजन ब्लॉक सभागार नैनीडांडा में किया गया। मंडल अध्यक्ष शशिकुमार ध्यानी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान, सभी पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए हर गांव, हर परिवार तक पहुंचने पर चर्चा की गई। लोकसभा विस्तारक पंकज ने विस्तार से कार्यकर्ताओं को योजनाओं के बारे में बताया। मंडल अध्यक्ष शशिकुमार ध्यानी ने कहा कि संगठन के निर्देश के अनुरूप सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर जिम्मेदारी का निर्वाह करना है। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री सुनील चौहान व तेजपाल सिंह, दीनदयाल भदूला, विमलानंद गौड़, मनीष पटवाल, भूपाल सिंह, माधुरी देवी, भारती देवी, यशोदा रावत, पिंकी भदूला, आशीष पटवाल, दीनू चतुर्वेदी, सत्यपाल सिंह रावत, आदि सहित समस्त शक्ति केंद्रों के संयोजक, बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे। संचालन सुनील चौहान ने किया।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में राइंका जगतेश्वर का परचम

पौड़ी। पौड़ी के कंडोलिया मैदान में बीते शनिवार को हुए दिशा ध्याणी, ब्वे ब्वारी कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा कई कार्यो के शिलान्यास एवं लोकार्पण किए गए जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। पौड़ी भाजपा जिलाध्यक्ष सुषमा रावत ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने पौड़ी के सभी मंडलों के मंडल अध्यक्षों एवं जिला कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक वर्चुअल माध्यम से लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार एवं धन्यवाद जताया और आगे भी इसी प्रकार का सहयोग बनाए रखने के लिए निवेदन किया।

टिहरी में बारिश और बर्फबारी जारी

नई टिहरी। बीती रात से जनपद के विभिन्न हिस्सों में बारिश के साथ बर्फबारी का दौर जारी रहा। जिससे पर्यटक क्षेत्र व धनोल्टी व काणताल में पर्यटकों का बर्फबारी देखने का आना जारी रहा। काफी संख्या में नई टिहरी व चंबा से स्थानीय लोग काणाताल क्षेत्र में बर्फबारी के नजारों को देखने पहुंचे। इसके साथ ही घनसाली व प्रतापनगर के दूरस्थ गांवों व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर जारी रहा। बीती देर रात ही जिला मुख्यालय नई टिहरी में लगातार रिमझिम का बारिश देर शाम तक जारी रहा। जिससे मौसम में भारी ठंडक पसरी है। लोग अंगीठियों व हीटर का सहारा ठंड से बचने के लिए ले रहे हैं। बारिश के कारण बाजारों में आवाजाही भी कम रही। जबकि घनसाली के भिलंगना ब्लाक में बीती रात्रि से हो रही बारिश ब बर्फवारी के चलते ठंडक बढ़ गई है। क्षेत्र के निचले इलाकों में जहां रुक-रुककर बारिश जारी रही, तो वहीं ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमकर बर्फबारी हो रही है। जिस कारण ठंड बढने से लोग घरों में आग सेकने या बिस्तरों में दुबकने को मजबूर है। घनसाली बाजार में लोग अलाव के सहारे ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। घनसाली के गंगी, गेन्वाली, पिंसवाड़ु, चिरबिटिया, केमुण्डा खाल व हिंदाव क्षेत्र में बर्फबारी हो रही है। मौसम की पहली बारिश व बर्फबारी काश्तकारों की फसलों के लिए संजीवनी माना जा रहा है, तो वहीं पेयजल स्रोतों भी बारिश व बर्फबारी से रिचार्ज होंगे। देवप्रयाग क्षेत्र में रविवार तडक़े हुई बारिश से ठंड बढ़ गयी है।

फिजिकल एंग्जाइटी क्या होती है? डॉक्टर से जानें इसके लक्षण...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फ़रवरी , एंग्जाइटी की समस्या सभी लोगों में अलग-अलग नजर आ सकती है। एंग्जाइटी एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो कई बार शारीरिक समस्याओं के रूप में भी दिख सकती है। एंग्जाइटी अटैक के कारण आप हर वक्त परेशानी और घबराहट जैसे लक्षणों को महसूस कर सकते हैं। एंग्जाइटी के कुछ ऐसे भी शारीरिक लक्षण होते हैं, जिनके बारे में हमें पता नहीं होता है, जिस कारण हम उन्हें आम शारीरिक समस्या समझकर इग्नोर कर देते हैं। शारीरिक एंग्जाइटी की समस्या डेली लाइफस्टाइल को भी प्रभावित कर सकती है। साइकोलॉजिस्ट डॉ. ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करके फिजिकल एंग्जाइटी के कुछ लक्षणों के बारे में बताया है, जिन्हें पहचानकर इस समस्या को दूर करने में मदद मिल सकती हैं।

फिजिकल एंग्जाइटी क्या होती है ?

फिजिकल एंग्जाइटी को सोमैटिक एंग्जाइटी डिसऑर्डर या चिंता के शारीरिक लक्षणों के रूप में भी जाना जाता है। यह एक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो व्यक्ति को शारीरिक रूप से परेशान करती है। यह तनाव या चिंता की वजह से हो सकती है, जो फिजिकल हेल्थ को प्रभावित करती है।

फिजिकल एंग्जाइटी के क्या लक्षण हैं

थकान होना. जी मिचलाना या उलटी होना. जबड़े

में दर्द होना. नींद न आने की समस्या. बहुत ज्यादा पसीना आना. माइग्रेन का दर्द . मुंह में ड्राईनेस. छाती में बार-बार दर्द होना. शरीर का सुन्न होना. दांतों का पीसना. हाथों में चिपचिपापन होना. मांसपेशियों में तनाव होना. बारबार बीमार होना. पाचन संबंधी समस्याएं होना. सीने में जकड़न की समस्या होना. बहुत ज्यादा थकावट होना. दिल की धड़कनों का तेज होना हल्की सांस आना. बार-बार यूरिन आना. सांस लेने में मुश्किल होना . तनाव के कारण सिरदर्द होना. खाना खाने या निगलने में कठिनाई होना . बहुत ज्यादा भूख लगना या भूख न लगना. हाथ और पैरों का कांपना . बहुत ज्यादा शोर या तेज रोशनी से समस्या होना बार-बार चक्कर आना

शारीरिक एंग्जाइटी से बचने के लिए सेल्फ केयर बेहद जरूरी है। इसके साथ हेल्दी डाइट, योग ध्यान और आराम करना भी महत्वपूर्ण है। इसलिए फिजिकल एंग्जाइटी के इन लक्षणों को पहचानकर आप मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रख सकते हैं।

BJP के संस्थापक लालकृष्ण आडवाणी बने भारत रत्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फरवरी , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा "मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।"

लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को वर्तमान में पाकिस्तान देश के कराची शहर में हुआ था। उनकी अपनी शुरुआती शिक्षा लाहौर से पूरी की। देश के विभाजन के बाद लाल कृष्ण आडवाणी का परिवार भारत में आकर रहने लग गया। उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से पूरी की जहां पर लाल कृष्ण आडवाणी ने लॉ से स्नातक की डिग्री हासिल की।

लालकृष्ण आडवाणी जन नायक के रूप में जाने जाते हैं, उन्होंने हिंदू आंदोलन का नेतृत्व किया और भारतीय जनता पार्टी की सरकार पहली बार बनाई। भारतीय जनता पार्टी को पूरी तरह से अस्तित्व में लाने और राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का श्रेय जिन लोगों को जाता है, उसमें लालकृष्ण आडवाणी का नाम सबसे आगे रखा जाता है। लाल कृष्ण आडवाणी को भारतीय जनता पार्टी के कर्णधार और लौह पुरुष के नाम से भी जाना जाता है। या यूं कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी के इतिहास का एक अहम अध्याय 'लालकृष्ण आडवाणी' ही है।

लाल कृष्ण अडवाणी रहे हैं भाजपा के संस्थापक सदस्य

2015 में मिला था पदम विभूषण

लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को कराची में हुआ था। वे पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहने वाले थे।

राजनीतिक कारियर

आडवाणी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत 1942 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के वालंटियर के तौर पर की थी।

1970 से 1972 तक जनसंघ की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष रहे।

1973 से 1977 तक जनसंघ के राष्ट्र अध्यक्ष रहे।

1977 में ही जनता पार्टी के महासचिव भी बने।

वे चार बार राज्यसभा के सदस्य भी रहे।

1977 से 1979 तक वे केंद्र मोरारजी देसाई की सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री रहे।

वे 1986-91 और 1993-98 और 2004-05 तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। 1989 में वे 9वीं लोकसभा के लिए दिल्ली से सासंद चुने गए।

1989-91 तक वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे।

1991, 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 में वे गांधीनगर से लोकसभा सांसद चुने गए।

1998 से लेकर 2024 तक एनडीए सरकार में गृह मंत्री रहे। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में 2002 से 2005 तक उप प्रधानमंत्री भी रहे।

2015 में उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्माव पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हाथों उन्होंने यह सम्मान हासिल किया।

अगर ट्रैफिक पुलिस छीन ले आपकी गाड़ी की चाबी, तो.....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फ़रवरी , आज के समय कई लोगों के पास निजी वाहन हैं। कहीं पर आने जाने के लिए निजी वाहन काफी सुविधाजनक होते हैं। ऐसे में आवाजाही के लिए कई लोग अपने निजी वाहनों का उपयोग करते हैं। हालांकि, सड़क पर वाहनों को चलाते समय आपको कई जरूरी नियमों का पालन करना होता है। इन नियमों को सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, ताकि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या को कम किया जा सके।

सड़क पर ट्रैफिक नियमों का सही पालन हो रहा है या नहीं। इसी को देखते अक्सर ट्रैफिक पुलिस वाहन को रुकवाकर वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ी के जरूरी कागजात की जांच करती है। ज्यादातर मामलों में सभी कागज होने पर ट्रैफिक पुलिस वाहन चालक को छोड़ देती है। वहीं कई बार ऐसा भी होता है कि ट्रैफिक पुलिस वाहन चालक के साथ गलत व्यवहार करती है और वाहन चालक की गाड़ी की चाबी निकालकर अपने पास रख लेती है।

ज्यादातर लोगों को अपने अधिकारों के बारे में पता नहीं होता है। ऐसे में वह ट्रैफिक पुलिस के इस गलत व्यवहार का खुलकर विरोध नहीं कर पाते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं कि अगर ट्रैफिक पुलिस आपके वाहन की गाड़ी की चाबी निकाल ले। इस स्थिति में आपको क्या करना चाहिए और आपके पास क्या अधिकार हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपने किसी तरह का ट्रैफिक नियम तोड़ा है या नहीं किसी भी परिस्थिति में ट्रैफिक पुलिस आपकी गाड़ी की चाबी को आपसे छीन नहीं सकती है। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस न आपको गिरफ्तार कर सकती है और न ही आपके दस्तावेजों को जब्त कर सकती है। ट्रैफिक पुलिस के पास इसको लेकर किसी भी तरह का अधिकार नहीं है।अगर ट्रैफिक पुलिस आपके वाहन की चाबी छीन लेती है और उसे वापस नहीं करती। इस स्थिति में आप इस घटना को रिकॉर्ड करके इसकी शिकायत ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी से कर सकते हैं।

केदारनाथ सहित ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी जारी

रुद्रप्रयाग। एक फरवरी से हिमालय में मौसम पूरी तरह प्रकृति के अनुकूल बना है। केदारनाथ, मद्महेश्वर, तुंगनाथ सहित सभी ऊंचे स्थानों पर बर्फबारी हो रही है। जबकि निचले इलाकों में बारिश हो रही है। केदारनाथ में 3 फीट से अधिक बर्फ जमा हो गई है। बर्फबारी के कारण यहां ठंड भी बढ़ गई है। केदारनाथ सहित हिमालय की सभी ऊंची पहाडियों पर एक फरवरी से अच्छी बर्फबारी हो रही है। जहां ग्लेशियरों को बर्फ से आच्छादित होने का अवसर मिल रहा है वहीं हिमालय चोटियां सफेद चादर की चमकने लगी है। रविवार को भी केदारनाथ, मद्महेश्वर, तुंगनाथ, चन्द्रशिला, कार्तिक स्वामी आदि स्थानों पर जोरदार बर्फबारी हुई है। जबकि मुख्यालय सहित सभी निचले कस्बों में बारिश हुई है। बारिश और बर्फबारी से मौसम काफी ठंड हो गया है। हालांकि इस साल दिसम्बर और जनवरी में मनमाफिक बारिश और बर्फबारी देखने को नहीं मिली है, जिससे कृषि और उद्यानी के साथ ही प्रकृति को भी नुकसान उठाना पड़ा, किंतु अब हो रही बारिश और बर्फबारी से सभी को राहत मिली है।

कड़ाके की सर्दी में तैनात है जवान

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में दिसम्बर और जनवरी में बर्फबारी नहीं हुई जबकि फरवरी में बर्फबारी होने से यहां चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। केदारनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात आईटीबीपी के जवान बर्फबारी के बीच मंदिर की सुरक्षा में कड़ा पहरा दे रहे हैं। रोटेशन के अनुसार दो-दो जवान मंदिर परिसर में चौबीसों घंटे पूरी तरह सुरक्षा में तैनात हैं। सरकार और बीकेटीसी के आग्रह पर केंद्र सरकार द्वारा बीते साल से केदारनाथ में आईटीबीपी के जवानों को शीतकाल में मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा दिया गया है।

बिना जांच किए मरीजों को न भेजें हायर सेंटर

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अगस्त्यमुनि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना किसी जांच किए मरीजों को हायर सेंटर रैफर न किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक भी ली जिसमें जरूरी दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों का डाटा चेक करते हुए कहा कि ओपीडी व एमरजेंसी की अलग-अलग पंजिका बनाई जाए। जबकि अस्पताल में भर्ती मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएं दी जाए। कहा कि किसी भी दशा में बाहर से दवाइयां न लिखी जाए। साफ-सफाई का विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को उच्च सेंटर रैफर करने का स्पष्ट कारण व मरीज का मेडिकल से संबंधित विवरण अभिलेख रखने के निर्देश दिए।

संक्षप्ति खबरें

छह को नहीं चलेगी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस

हल्द्वानी। काठगोदाम और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 6 फरवरी को संचालित नहीं होगी। वहीं काठगोदाम-कानपुर सेन्ट्रल एक्सप्रेस भी पूर्व में ही 26 फरवरी तक निरस्त की जा चुकी है। इज्जतनगर मंडल के पीआरओ राजेन्द्र सिंह ने बताया कि कोहरे के चलते ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

विकास योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं भाजपा कार्यकर्ता : कौशिक

हरिद्वार। भाजपा सप्तऋषि मंडल में मंडल अध्यक्ष अध्यक्ष तरुण नैयर के संयोजन में गांव चलो अभियान की कार्यशाला हुई। कार्यशाला में कहा गया कि सभी कार्यकर्ता 9 से 11 फरवरी तक प्रवासी के रूप में अपने-अपने बूथ में कार्य करेंगे। नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा सभी बूथ अध्यक्ष अपनी समिति का सत्यापन करें। भाजपा कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के लिए तैयार रहें और केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं। जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रश्मि चौहान ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास कर रहा है। इस मौके पर वीरेंद्र तिवारी, मंडल महामंत्री देवेश ममगई, मोर्चा अध्यक्ष अंकुश भाटिया, मुकेश पुरी, अजय गंगोलिया, पूनम माकन, अनिरुद्ध भाटी, अनिल मिश्रा, विनीत जोली, अनिल वशिष्ठ, केतन, करुण, मदन आदि मौजूद रहे।

मिल ने किया गन्ना मूल्य के अंतर का भुगतान

रुडक़ी। चीनी मिल इस सत्र में 15 जनवरी तक खरीदे गए गन्ने का पैसा पिछले साल के हिसाब से पहले भुगतान कर चुका था। अब गन्ना मूल्य 20 रुपये बढने पर मिल ने 15 जनवरी तक का इस अंतर के 10.13 करोड़ रुपये का भुगतान भी गन्ना समितियों को भेज दिया है। इस साल लक्सर चीनी मिल में नया सत्र 16 नवंबर 2023 से शुरू हुआ था। लेकिन गन्ने का भाव तय होने में देरी हो रही थी। इसलिए मिल तक पिछले साल के 355 रुपये कुंतल के भाव का अंतरिम भुगतान कर रहे थे।

पुरानी पेंशन बहाली को लोस चुनाव तक आंदोलन

विकासनगर। लोक सभा चुनाव नजदीक आते ही पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा गरमाने लगा है। रविवार को कर्मचारियों ने सद्भावना भवन में बैठक कर लोकसभा चुनाव तक लगातार आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन के पहले चरण में 11 फरवरी को धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें सभी विभागों के कर्मचारी शामिल होंगे। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष गडोही ने कहा कि पुरानी पेंशन लागू करने से वित्तीय भार बढने का हवाला दिया जा रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त नहीं किया है। और न ही वहां कोई आर्थिक संकट पैदा हुआ है। कई अन्य प्रदेशों ने पुरानी पेंशन बहाली की ओर कदम बढ़ाया है। हिमाचल प्रदेश इसका ताजा उदाहरण है। कहा कि कर्मचारियों को पेंशन देने से आर्थिक भार नहीं बढ़ता है। सरकार की फिजूल खर्ची से आर्थिक भार बढ़ता है। इसके साथ ही विधायिका से जुड़े लोगों की संख्या हर दो साल में बढ़ती जाती है, जिन्हें पेंशन और अन्य सुविधाओं के नाम पर भारी भरकम राशि दी जा रही है। लेकिन विधायिका से जुड़े लोगों को मतदान करने और निष्पक्ष मतदान कराकर सदन तक पहुंचाने वाले सरकारी कर्मचारियों को पेंशन से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कई देशों में जन प्रतिनिधियों को पेंशन दिए जाने की व्यवस्था नहीं है, लेकिन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन दी जाती है। जबकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सरकारी मशीनरी को चलाने वाले कर्मचारियों के साथ ही भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस भेदभाव पूर्ण रवैए के खिलाफ और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर लोकसभा चुनाव तक आंदोलन जारी रहेगा। इसकी शुरुआत 11 फरवरी को होने वाले प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन से की जाएगी। इस दौरान एनएमओपीएस की जिला सचिव हेमलता कजालिया, शांतनु शर्मा, सुनील गुसाईं, संदीप रावत, उर्मिला द्विवेदी, परशुराम कोठारी, हर्षिता, अनिता नेगी, शिखा राठौर, रुचि पैन्यूली आदि मौजूद रहे।

क्या आप जानते हैं कोहरे में कार कैसे चलाएं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 फ़रवरी , सर्द हवा और घने कोहरे ने पूरे उत्तर भारत में कहर बरपा रखी है। इस कड़ाके की ठंड में मॉर्निंग की शुरुआत जबरदस्त कोहरे के साथ होती है। इसलिए कार चलाना काफी खतरनाक हो सकता है। जीरो विजिबिलिटी होने के कारण सामने का कुछ भी नजर नहीं आता है। ऐसे में कार एक्सीडेंट का खतरा भी बढ़ जाता है, जो कि एक चिंताजनक हालात पैदा करता है। ड्राइवर्स के लिए ये काफी डेंजरस स्थिति है क्योंकि उन्हें इस कंडिशन में भी गाड़ी चलानी पड़ती है जब कोहरे में कुछ दिखाई नहीं देता है। सुबह से लेकर दोपहर और शाम से लेकर रात तक कोहरे अपने चरम सीमा पर होते हैं। इसलिए सावधानी के साथ गाड़ी चलाना बेहद जरुरी होता है। तो चलिए इसी के साथ हम आपको बताते हैं फॉग में ड्राइविंग करते समय किन सेफ्टी टिप्स का ध्यान रखना है।

पहले ही कर लें रूट प्लान

आप जहां कहीं भी आज जा रहे हैं, उस रूट की पूरी जानकारी पहले ही इकट्ठा कर लें। इससे आपको जल्दी पहुंचने में मदद मिलेगी और ट्रैफिक के बारे में भी पता रहेगा।

चेक करें गाड़ी की कंडीशन

ठंड में ड्राइविंग स्टार्ट करने से पहले हमेशा अपनी गाड़ी की कंडीशन चेक करके ही बाहर निकलें। खासतौर पर कार की बैक और फ्रंट लाइट्स, ब्रेक, टायर, विंडस्क्रीन वाइपर, रेडिएटर, बैटरी और कार हीटिंग सिस्टम आदि जरुर देख लें। ये सही से काम कर रहे हों तभी अपनी ट्रैवल शुरु करें।

हेडलाइट्स का ऑल टाइम करें इस्तेमाल

फॉग के कारण विजिबिलिटी बिल्कुल ना के बराबर होती है। ऐसे में जरुरी है कि आगे-पीछे की गाड़ियों को अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए लो-बीम हेडलाइट्स का ऑल टाइम इस्तेमाल करें। जानकारी के लिए बता दें, हाई-बीम लाइट्स कोहरे में रिफ्लेक्ट होती है, जिससे देखने में परेशानी होती है। इसलिए लो-बीम लाइट का ही यूज करें।(जानिए Gmail से कैसे पता लगा सकते हैं खोए हुए फोन की लोकेशन)

शीशे साफ रखें

कोहरे में बेहद जरुरी है कि अपनी गाड़ी की विंडो और शीशों को अच्छे से साफ कर लें। ऐसे ही जीरो विजिबिलिटी के कारण कुछ दिखाई नहीं देता है। इसलिए जरुरी है कि आप अपने कार के शीशे को क्लिन रखें। इसके लिए आप वाइपर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एम्स ऋषिकेश को दो नयी स्वास्थ्य योजानाओं की मिली सौगात

- संस्थान में 'स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' और न्यू ट्रॉमा आईसीयू सुविधा शुरू
- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 5 फ़रवरी , केन्द्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने एम्स ऋषिकेश के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और ट्रॉमा आईसीयू स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दो नयी स्वास्थ्य योजनाओं का लोकार्पण किया। वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना केन्द्र सरकार की प्राथमिकता है। एम्स ऋषिकेश में स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और न्यू ट्रॉमा आईसीयू स्वास्थ्य योजनाओं का लोकार्पण करते हुए उन्होंने इन योजनाओं को राज्य के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की कल्याणकारी योजना बताया। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एम्स ऋषिकेश में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को विकसित करने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया।

1- स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ

संस्थान के समुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग (सीएफएम) द्वारा संचालित स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ में मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ पाठ्यक्रम की सुविधा है। यह 2 वर्षीय पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य बीमारियों की वृहद स्तर पर रोकथाम, इसका प्रबंधन, स्वास्थ्य योजनाओं का मूल्यांकन, स्वास्थ्य के सामाजिक कारकों का व्यापक अध्ययन व उसकी रोकथाम हेतु योजना तैयार करना शामिल है।

2- न्यू ट्रॉमा आईसीयू

संस्थान के ट्रॉमा सेन्टर में इस योजना को विकसित किया गया है। गंभीर रूप से बीमार व दुर्घटना के रोगियों सहित पॉलीट्रॉमा के रोगी, बंदूक की गोली से घायल, चाकू व छुरे से लगने वाली चोटें, रीढ़ की हड्डी की चोट और सिर की चोट जैसे गम्भीर रोगियों का इसमें इलाज किया जा सकेगा। 6 आइसोलेशन बेड सहित इसमे कुल 18 बेड का आईसीयू उपलब्ध है। इस ट्रॉमा आईसीयू में ऐसे मरीजों को भी रखा जा सकेगा जिन्हें अलग एंटीबायोटिक प्रोटोकॉल और आघात चिकित्सा की आवश्यकता होती है

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और योगगुरू स्वामी रामदेव जी की हुई दिव्य भेटवार्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। आज विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कैंसर कोई एक बीमारी नहीं है बल्कि बीमारियों का एक समूह है जो असामान्य कोशिकाओं के अनियंत्रित विभाजन और वृद्धि के कारण होता है। कैंसर की विविधता इतनी है इसलिये इसके उपचार के लिये एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।इस विषय में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और योगगुरू स्वामी रामदेव जी की विशद् चर्चा हुई। स्वामी जी ने कहा कि स्वामी रामदेव जी, आयुर्वेद के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहे हैं। वे योग और आयुर्वेद के माध्यम से लोगों की जीवनशैली बदलने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे हैं। प्राचीन काल से ही आयुर्वेद का न केवल रोगों के निदान बल्कि एक स्वस्थ जीवन शैली में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कई रोगों का निदान आयुर्वेद के द्वारा प्राप्त हुआ है।

देश में कैंसर उपचार, रोकथाम और देखभाल के लिये जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। साथ ही कैंसर के निवारन के लिये स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना, तंबाकू के उपयोग को कम करना तथा नियमित जाँच और टीकाकरण के महत्त्व पर जोर देना अत्यंत आवश्यक है।

स्वामी जी ने कहा कि कैंसर जैसी बीमारियों को दूर रखने के लिये स्वस्थ जीवन शैली को अपनान अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ रहने के लिये स्वच्छ, सुरक्षित व संतुलित आहार के साथ सक्रिय जीवनशैली अत्यंत आवश्यक है।

कैंसर होने का कोई एक ही कारण नहीं होता, भारत में कैंसर के मामले बढने के पीछे भी कई कारण हैं। उनमें से प्रमुख कारण है जीवनशैली, अनुचित आहार संबंधी आदतें, लगातार मांसाहारी भोजन ग्रहण करना, रासायनिक प्रदूषण के साथ योग व व्यायाम की कमी। ₹असंतुलित जीवनशैली, लंबे समय तक काम करना, तनावपूर्ण जीवन, धूम्रपान, शराब का सेवन, अधिक गर्भनिरोधक का उपयोग आदि अनेक ऐसे कारण है जिनके कारण कैंसर की वृद्धि हो रही है।

कैंसर से बचने के लिए एक सक्रिय जीवनशैली महत्वपूर्ण है, धूम्रपान न करना, तंबाकू न चबाना, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज, मोटापे से दूर रहना, दैनिक व्यायाम और अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात, ध्यान (मेडिटेशन) जिससे मस्तिष्क शांत रहता है इससे कैंसर की घटनाओं को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

कैंसर की रोकथाम और उससे लडने के लिए अधिकांश मदद हमारे द्वारा खाए जाने वाले आहार से मिलती है, गुणवत्ता, मात्रा और पोषण स्वास्थ्य का एक प्रमुख निर्धारक और कैंसर के खतरे का एक महत्वपूर्ण तत्व है। यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग 30-40 प्रतिशत कैंसर को अकेले आहार और जीवनशैली उपायों से रोका जा सकता है। हालांकि यह समझना महत्वपूर्ण है कि स्वस्थ आहार क्या है, विषाक्त और कोशिकाओं के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों कौन से है। न केवल भोजन की गुणवत्ता, बल्कि सेवन की गई भोजन की मात्रा भी कैंसर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पुरुषों में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में से लगभग 14 प्रतिशत और महिलाओं में 20 प्रतिशत मौतें मोटापे के कारण होती हैं। कम खाना, लेकिन शरीर के सामान्य वजन को बनाए रखने के लिए पर्याप्त पोषण कैंसर के खिलाफ एक सुरक्षात्मक कार्य करता है। फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां आदि जैसे पौधे-आधारित उत्पादों से समृद्ध आहार का सेवन करने से विभिन्न प्रकार के कैंसर के विकास के जोखिमों को कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि आहार में पौधों पर आधारित भोजन की मात्रा बढ़ाकर 75 प्रतिशत कोलोरेक्टल कैंसर को रोका जा सकता है।

आइए हम सभी स्वस्थ जीवन के लिए इन स्वस्थ जीवनशैली के विकल्पों को अपनाने का संकल्प लें।

धर्म के नशे के उन्माद से सुरक्षित रहना होगा : माहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। गणतंत्र दिवस से नशा छोड़ो, भारत जोड़ो अभियान की शुरुआत करने वाली कांग्रेस ने रविवार को बरोटीवाला स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में सभा कर पछवादून में बड़े स्तर पर चल रहे नशे के कारोबार के विरुद्ध जंग का बिगुल फूंका। हालांकि पूरी सभा के दौरान वक्ताओं ने नशे के खिलाफ आंदोलन के बहाने भाजपा सरकार खिलाफ अधिक बोला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि धर्म का नशा सबसे बड़ा नशा है, इस नशे के उन्माद से भी खुद को सुरक्षित रखना होगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण मेहरा ने कहा कि विकासनगर से नशे के खिलाफ शुरू हुआ यह अभियान आज के परिप्रेक्ष्य में बहुत आवश्यक है और अनुकरणीय है। भारत की आजादी के लिए कांग्रेस ने संघर्ष किया और आजादी दिलाई। इस आजादी को बनाए रखने के लिए देश की युवा पीढ़ी का नशा मुक्त होना और प्रगति के मार्ग पर चलना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जहां एक ओर बड़ी-बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी ओर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से हजारों करोड़ की ड्रग्स बरामद होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं करती है। भाजपा सरकारों की अक्रमण्यता से आज उत्तराखंड की युवा पीढ़ी नशे की लत की आदी हो रही है, लेकिन सरकार का ध्यान उन मुद्दों पर है जिनका जनता से कोई सीधा ताल्लुक नहीं है। कार्यक्रम आयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री नवप्रभात ने कहा कि कांग्रेस अपना सामाजिक दायित्व समझती है कि क्षेत्र की युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जाए। इस नशे से क्षेत्र में जहां एक ओर हजारों घर बर्बाद हो रहे हैं, वहीं छोटे-छोटे स्कूल कॉलेज जाने वाले बच्चों को टारगेट करके नशा बेचे जाने से इस क्षेत्र में कानून व्यवस्था की गंभीर समस्या भी उत्पन्न होने वाली है। आज हर अभिभावक इस कारण आशंकित रहता है कि कहीं उसका बच्चा नशे की लत का आदि ना हो जाए। कांग्रेस के टिहरी लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि जनता को यह भी सोचना होगा कि ऐसे कौन से कारण हैं जिनकी वजह से पुलिस और प्रशासन नशा कारोबारी के विरुद्ध कार्रवाई नहीं कर रहा है। आखिर कौन सी राजनैतिक शक्तियां ऐसी हैं, जिनका नशे के कारोबारी को संरक्षण प्राप्त है। कार्यक्रम के दौरान पीसीसी सदस्य संजय जैन ने कार्यकर्ताओं से नशे के विरुद्ध संकल्प पत्र भरवाए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव विकास शर्मा ने किया।

डीएसओ और 11 पूर्ति निरीक्षकों का वेतन रोका

न्यूज वायरस नेटवर्क

रहल्द्वानी। भारत सरकार के विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यों में प्रतिभाग न करना नैनीताल जिले के पूर्ति निरीक्षकों को भारी पड़ गया है। जिलाधिकारी के आदेश पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी और 11 पूर्ति निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। साथ ही पूर्ति निरीक्षकों के जनवरी माह के वेतन पर भी रोक लगा दी है। सीडीओ अशोक पांडेय ने भेजे नोटिस में कहा है कि देखने में आ रहा है जिले में विकास से संबंधित बैठकों, भ्रमण कार्यक्रमों और वर्तमान में भारत सरकार की विकसित भारत संकल्प यात्रा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में न तो जिला पूर्ति अधिकारी और न ही पूर्ति विभाग के किसी भी कार्मिक द्वारा भाग लिया जा रहा है। पूर्ति विभाग से संबंधित जन समस्याओं का निस्तारण समय पर न होने के कारण लोगों में आक्रोश भी है। इसका एक उदाहरण बीते दिनों जिलाधिकारी के लाखन मंडी चोरगलिया क्षेत्र में ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के दौरान देखने को मिला, जहां पूर्ति विभाग को सूचित करने के बाद भी कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ। इस कारण ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्ति विभाग से संबंधित किसी भी समस्या का निस्तारण नहीं हो पाया। कहा कि जिला पूर्ति विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की ओर से शासकीय कार्यों में इस प्रकार की कार्यशैली प्रदर्शित करना शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही और उदासीनता को दिखाता है।

दो पूर्ति निरीक्षकों ने दिया नोटिस का जवाब

जिले में 11 पूर्ति निरीक्षक हैं, जिसमें से दो ने नोटिस का जवाब दे दिया है। सीडीओ ने जिला पूर्ति अधिकारी और पूर्ति निरीक्षकों को तीन दिन के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा था, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतवानी दी थी। साथ ही डीएम के आदेश पर स्पष्ट कारण न मिलने तक वेतन रोका गया है।

कुमाऊं आयुक्त खाद्य के पास दो अतिरिक्त प्रभार

कुमाऊं आयुक्त खाद्य विपिन कुमार हैं। इनके पास नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के जिला पूर्ति अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी है। यहां पर लंबे समय से जिला पूर्ति अधिकारी का पद खाली चल रहा है। इसके चलते आम जनता की समस्याओं को सुनने वाला तक कोई नहीं मिल रहा है।

जिले में विकास संबंधी विभिन्न बैठकों, भ्रमण कार्यक्रमों और भारत सरकार की विकासित भारत संकल्प यात्रा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में जिला पूर्ति अधिकारी समेत पूर्ति निरीक्षकों द्वारा प्रतिभाग नहीं किया जा रहा है। डीएसओ समेत पूर्ति निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

संपादकीय

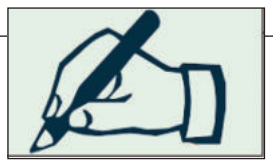

विकसित भारत के पक्के इरादों का बजट

यकीनन वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट आम आदमी की खुशहाली और देश के तेजी से विकास के दावों, वादों, इरादों और वित्तीय अनुशासन का आदर्श गुलदस्ता है। इस बजट में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए जो अहम घोषणाएं की गई हैं, उनसे विकास और आर्थिक कल्याण का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। साथ ही यह अंतरिम बजट विकास का ऐसा रोडमैप भी है, जिससे अगले तीन वर्षों में देश पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। यदि हम वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा अंतरिम बजट में प्रस्तुत किए गए वर्ष 2023-24 के आय-व्यय से संशोधित अनुमान की स्थिति देखें तो पाते हैं कि उधार को छोडक़र कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 27.56 लाख करोड़ रुपए है जिसमें से कर प्राप्ति 23.24 लाख करोड़ रुपए है। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 44.90 लाख करोड़ रुपए है। 30.03 लाख करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति बजट अनुमान से अधिक रहने की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास दर और इसके औपचारीकरण को दर्शाता है। इसी तरह वर्ष 2024-25 के बजट के तहत उधारी से इतर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30.80 लाख करोड़ रुपए और 47.66 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। निःसंदेह देश की आजादी के बाद से अब तक जितने अंतरिम बजट आए हैं, उन सभी बजटों में वित्तीय अनुशासन के मद्देनजर वित्तमंत्री सीतारमण का यह बजट चमकता हुआ दिखाई दे रहा है। खासतौर पर वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में लोकलुभावन घोषणाएं की गई थी और कर उपायों की अनदेखी की गई थी। साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के पहले कार्यवाहक वित्तमंत्री पीयूष गोयल के वर्ष 2019-2020 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने जैसे जरूरी प्रावधान शामिल किए थे। लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व प्रस्तुत किए गए इस अंतरिम बजट में वित्तमंत्री सीतारमण ने वैसी छोटी-बड़ी लोक लुभावन योजनाओं और रियायतों के कोई तोहफे नहीं दिए हैं। सीतारमण ने कहा कि मोटे तौर पर अंतरिम बजट लेखानुदान की तरह ही है। अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य ही प्रमुख है। पूर्ण बजट जुलाई 2024 में संभावित है जो कि विकसित भारत का रोडमैप होगा। निःसंदेह अंतरिम बजट 2024-25 की तस्वीर में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास बुनियादी ढांचा विकास के सशक्तिकरण और प्रगति के अध्याय को आगे बढ़ाया है। कहा गया है कि कोविड संबंधी चुनौतियों के बावजूद पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तीन करोड़ मकानों का लक्ष्य जल्द ही हासिल किया जाएगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

दिव्यांग पर कातिलाना हमला, फायर झोंका

हरिद्वार। दिव्यांग पर कातिलाना हमला करने के आरोप में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र के गांव सलेमपुर महदूद में दिव्यांग माजिद अली खान पुत्र साजिद अली अपने परिवार के साथ रहते हैं। पुलिस को दी जानकरी में उन्होंने बताया कि उनकी सुल्तानपुर मजरी में करीब पांच बीघा पुश्तैनी जमीन है। आरोप है कि गांव के ही कुछ लोग उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं और लगातार कब्जे की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि शनिवार शाम अपने ड्राइवर के साथ जमीन पर गए थे, जहां पहुंचने पर पप्पी उर्फ आबाद, पिंकू उर्फ अमजद, राजा ने उसे घेर लिया। गाली गलौच शुरू कर दी गई। उसकी कनपटी पर देसी तमंचा सटा दिया गया, जिसके बाद उस पर फायर किया लेकिन फायर मिस हो गया। आरोप है कि राजा ने उस पर धारदार हथियार से हमला किया। बीच बचाव में आए उसके ड्राइवर को भी बुरी तरह पीटा। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि आरोपी राजा पुत्र स्व. फिरोज, पप्पी उर्फ आबाद, पिंकू उर्फ अमजद पुत्रगण मुर्जता निवासी सुलतानपुर मजरी के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

मानवीय मूल्यों पर कार्यशाला

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के एकेडमिक स्टॉफ डेवलपमेंट सेंटर व एआईसीटीई द्वारा आयोजित यूनिवर्सल ह्यूमन वेल्यू पर तीन दिनी शिक्षक विकास कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विवि, संस्थानों के 65 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। मौके पर कुलपति प्रो.ओंकार सिंह, कुलसचिव प्रो.सतेन्द्र सिंह, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो.मनोज कुमार पांडा, एआईसीटीआई के रिसोर्स व्यक्ति आदि मौजूद रहे।

स्मैक तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। सिडकुल पुलिस की गिरफ्त में आए एक आरोपी के कब्जे से 6.5 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। एसओ मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि शनिवार देर रात पुलिस टीम ने गश्त के दौरान रावली महदूद मार्ग पर एक युवक को रोकना चाहा लेकिन युवक पुलिस को देखकर भागने लग गया। पुलिस टीम ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से स्मैक बरामद हुई। थाने लाकर की गई पूछताछ में युवक ने अपना नाम सचिन मालियान निवासी पाल मार्केट रावली महदूद सिडकुल बताया। एसओ ने बताया कि आरोपी स्मैक बेचने की तैयारी में था।

पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों की परेड कराई

हरिद्वार। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ज्वालापुर और शहर कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों की परेड कराई। उन्हें हिदायत दी गई कि किसी भी तरह का विवाद सामने आने पर कड़ी कार्रवाई होना तय है। हिस्ट्रीशीटरों को नशे के धंधे से दूर रहने की हिदायत दी गई। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में पुलिस महकमा जुट गया है। गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के आरोपियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। रविवार को ज्वालापुर और शहर कोतवाली पुलिस ने अपने अपने क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों की परेड कराई। शहर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने हिदायत दी कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की हरकत होने पर कार्रवाई की जाएगी। गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जिलाबदर किया जाएगा। सीएम के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान का हवाला देते हुए नशे की तस्करी से दूर रहने को लेकर चेताया। इधर, कोतवाली प्रभारी ज्वालापुर रमेश तनवार ने भी हिस्ट्रीशीटरों को चेताते हुए किसी भी तरह के विवाद में नाम सामने आने पर कार्रवाई करने की हिदायत दी।

संक्षप्ति खबरें

रैली से दिया सडक़ सुरक्षा का संदेश

देहरादून। परिवहन विभाग ने सडक़ सुरक्षा माह के तहत जागरूकता रैली निकाली। दोपहिया और चौपहिया वाहनों की इस रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली से सडक़ सुरक्षा का संदेश दिया गया। लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की गई। रविवार को रैली सीएम हाउस से शुरू हुई, जिसे सीएम पुष्कर सिंह धामी, काबीना मंत्री गणेश जोशी और परिवहन सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद रैली बिंदाल पुल, घंटाघर, दर्शनलाल चौक, सर्वे चौक, सहस्त्रधारा क्रासिंग, आईटी पार्क होते हुए कुल्हान स्थित परिवहन आयुक्त कार्यालय में संपन्न हुई। आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि रैली में विटेंज कार, बाइक स्वाइड, ड्राइविंग स्कूलों के वाहन भी शामिल हुए।

वर्ल्ड पीस मिशन अभियान का पोस्टर जारी

देहरादून। वर्ल्ड पीस मिशन के द्वितीय चरण का शुभारम्भ रविवार को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अभियान का पोस्टर जारी कर और अभियान संयोजक डॉ. बिपिन जोशी को श्रीराम नामी पटका पहनाकर किया। इससे पूर्व योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने सिनर्जी अस्पताल में पहुंचकर पूज्य जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज से अभियान की सफलता का आशीर्वाद लिया। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने अभियान की सफलता की कामना करते हुए प्राचीन ऋषि मुनि परंपरा, योग अध्यात्म और आयुर्वेद को देवभूमि उत्तराखंड की विरासत बताया। अभियान संयोजक योगाचार्य बिपिन जोशी ने बताया कि वर्ल्ड पीस मिशन द्वितीय चरण में 5 से 7 फरवरी तक सिंगापुर, 8 से 10 फरवरी मलेशिया और 11 से 13 फरवरी तक थाइलैंड में विश्व शांति और सौहार्द के लिए योग, ध्यान और सर्वधर्म समभाव के कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

भगवत गीता स्वर पाठ व कवि सम्मेलन का आयोजन

देहरादून। बीएन कंस्ट्रक्शन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की ओर से भगवत गीता के तीसरे अध्याय का स्वर पाठ एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भागवत गीता में कर्म योग को व्यापक रूप से बताया गया है। हमारा धर्म है कि हम कर्म योग के रास्ते पर चलकर उत्तराखंड के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने में सहयोग करें। हरिद्वार बाईपास स्थित संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह में हुए कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बीएन कंस्ट्रक्शन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर के मैनेजिंग डायरेक्टर बीएन राय ने कहा कि भगवत गीता स्वर पाठ एवं कवि सम्मेलन में आध्यात्मिकता व कवियों का कौशल एक साथ दिखा है। भगवत गीता स्वर पाठ को डॉ. अरविंद नारायण मिश्र एवं उनके सहयोगी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवत गीता के तीसरे अध्याय कर्म योग को विस्तार पूर्वक बताया। कवि सम्मेलन में कवि श्रीकांत, महिमा श्री, उषा झा, किशना बगोट, नव्या चौहान ने कविता पाठ किया। मौके पर कामेश्वर पुरी महाराज, स्वामी आलोक गिरी महाराज, रामानुज दास, जितेंद्र रघुवंशी, एके सिंह, पंकज गुप्ता, संतोषआनंद देव महाराज मौजूद रहे।

तकनीकी विवि में हुई कार्यशाला

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि-यूटीयू में स्थापित एकेडमिक स्टॉफ डेवलपमेंट सेंटर के तत्वावधान में सम्बद्ध परिसर व संस्थानों के निदेशकों के गुणवत्ता संवद्र्धन के लिए आयोजित कार्यशाला का समापन हो गया। तीन दिनी लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम में शैक्षणिक संस्थानों में प्रभावी प्रबंधन, हितधारक प्रबंधन, नवाचार, अनुसंधान, मूल्यांकन, सतत सुधार, वित्त प्रबंधन जैसे मुद्दों पर विशेषज्ञों ने अहम जानकारी दी। मौके पर कुलपति डॉ.ओंकार सिंह, प्रो.कृपा शंकर, संजीव चोपड़ा, डॉ.राजेश भट्ट, प्रो.पीआर अग्रवाल, प्रो.केपी सिंह, अरविंद दीक्षित, डॉ.ललित अवस्थी, विक्रम सिंह जंतवाल मौजूद रहे।

सात छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

देहरादून। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान की सात होनहार छात्राओं का बहुराष्ट्रीय कंपनी में चयन हुआ है। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि के परिसर संस्थान में पिछले दिनों कंपनी ऑरेंज बिजनेस ने पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया। जिसमें महिला प्रौद्योगिकी संस्थान व ग्राफिक एरा के कम्प्यूटर साइंस व इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर, इंजीनियर ब्रांच के छात्रों ने हिस्सा लिया था। संस्थान निदेशक प्रो.मनोज कुमार पांडा व संस्थान प्लेसमेंट समिति संयोजक डॉ.शिल्पी मित्तल पंवार के अनुसार, सभी छात्राओं को पांच-पांच लाख रुपए का वार्षिक पैकेज मिला है।

दूध बांटने जा रहे बुजुर्ग की बाइक फिसलने से मौत

हल्द्वानी। दूध बांटने जा रहे एक बुजुर्ग की बाइक फिसलकर गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में घायल बुजुर्ग को पहले कोटाबाग ले जाया गया, लेकिन गंभीर हालत के चलते उसे एसटीएच रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। कोटाबाग के तलिया गांव निवासी आनंद राम (61) दूध बांटने का काम करते थे। रविवार सुबह वह कोटाबाग दूध बांटने जा रहे थे। तलिया से कोटाबाग की ओर जाने वाले एक कच्चे रास्ते पर उनकी बाइक अचानक फिसल गई। बाइक के साथ आनंद राम करीब 12 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरे। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को कोटाबाग सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से उसे एसटीएच रेफर कर दिया गया। यहां घायल को भर्ती कर इलाज शुरू हुआ। पुलिस के मुताबिक एसटीएच में इलाज शुरू होने के करीब एक घंटे बाद आनंद राम की मौत हो गई। शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे और ब्लीडिंग होने की बात भी सामने आई है। मेडिकल चौकी के एसआई मो. आकिल ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

ट्रैफिक सेंस विषय को स्कूली शिक्षा में शामिल किया जाए

हरिद्वार। सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी परिवारजन कल्याणकारी समिति ने अपनी सातवीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रानीपुर विधायक आदेश चौहान, विशिष्ट अतिथि पुलिस पेंशनर्स कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पक ज्योति, 40वीं पीएसी के उप सेनानायक सुरजीत सिंह पंवार और एकम्स के जीएम अनूप डुकलान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी परिवारजन कल्याणकारी समिति के सचिव रामेश्वर रावत ने पुलिस परिवार के सदस्यों को नौकरी में चार फीसदी के आरक्षण की मांग रखी। उन्होंने विधायक आदेश चौहान से ट्रैफिक सेंस विषय को कक्षा तीन से बारह तक विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए शिक्षा प्रणाली में शामिल करने की मांग की। समिति सचिव ने कहा कि सडक़ दुर्घटना के कारण रोजाना कितनी मौत होती हैं। सडक़ दुर्घटनाओं में मौत के होने के एक मुख्य कारण सडक़ पर वाहन चलाने के नियमों का कम पता होना भी है। इसलिए इस विषय को पाठयक्रम में जोडक़र बच्चों को सडक़ सुरक्षा संबंधि नियमों को पढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री धामी ने 122 अभ्यर्थियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 फरवरी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में परिवहन निगम के अन्तर्गत चालक एवं परिचालक पद के लिए 106 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इन अभ्यर्थियों को मृतक आश्रित के रूप में परिवहन विभाग में नियुक्ति दी गई है। परिवहन विभाग के अन्तर्गत चयनित 16 सहायक लेखाकारों को भी मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता रैली का फ्लैग ऑफ किया। इस अभियान के तहत सभी जनपदों में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा कैलेण्डर और सड़क सुरक्षा पर आधारित डाटा बुक का विमोचन भी किया। 16 महिलाओं को परिवहन विभाग द्वारा निशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देने के बाद मुख्यमंत्री ने उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पर परिवहन निगम और परिवहन विभाग के सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपनी नौकरी की शुरूआत से ही अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, सच्ची लगन और कड़ी मेहनत से निर्वहन करें। परिवहन सेवा को सुचारू रखने के लिए चालक और परिचालक का महत्वपूर्ण दायित्व होता है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में आत्म अनुशासन का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नौकरी की शुरूआती चरण से ही अपनी नियमित दिनचर्या के साथ कार्य करना शुरू करेंगे, तो यही दिनचर्या आदत में शामिल हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। इनकी सुख-सुविधाओं को और बेहतर बनाने की भी परिवहन विभाग और परिवहन निगम पर बड़ी जिम्मेदारी है। इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए हम सबको अपने-अपने क्षेत्रों में अहम योगदान देना है, सबके सहयोग से उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से अनेक भर्ती प्रक्रियाएं गतिमान हैं। पिछले दो सालों में तेजी से भर्ती प्रक्रियाएं पूर्ण की गई हैं। सभी भर्तियां पूर्ण पारदर्शिता के साथ हों, इसके लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून

लागू किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद तेजी और पूर्ण पारदर्शिता से सभी परीक्षाएं सम्पन्न हुई हैं। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए निःशुल्क ड्राईविंग प्रशिक्षण दिलाने के लिए परिवहन विभाग के प्रयासों की सराहना भी की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी, प्रबंध निदेशक परिवहन निगम डॉ. आनन्द श्रीवास्तव एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

पिकअप से 06 लाख से अधिक का गांजा बरामद, एक गिरफ्तार; एक फरार

अल्मोड़ा। पुलिस ने पिकअप से गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। एसएसपी देंवेंद्र पींचा ने जिले में नशा तस्करी रोकने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत शनिवार रात एसओ सल्ट अजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने कठपतिया तिराहे के आसपास गश्त की। इस दौरान सराईखेत क्षेत्र से नैनीताल नंबर की एक पिकअप आती दिखाई दी। पुलिस को देख पिकअप चालक ने वाहन को सडक़ किनारे खड़ा कर जंगल की तरफ फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया। वाहन के अंदर बैठे दूसरे व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने अपना नाम हरीश चन्द्र नेगी उर्फ छेत्र पाल निवासी श्रीगाड़ गुदलेख सल्ट बताया। फरार चालक की शिनाख्त रविन्द्र सिह रावत उर्फ रवि धौनी निवासी हनसाली सराईखेत सल्ट के रूप में की। वाहन की चेकिंग में चार कट्टों से 40.600 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की कीमत 06 लाख से अधिक बताई जा रही है। बताया कि वह गांजे को गांव से खरीदकर रामनगर बेचने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए और फरार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वाहन सीज किया है। टीम में हेड कांस्टेबल सुरेश चंद्र, संजू कुमार, कांस्टेबल मदन सिंह शामिल रहे।

ड्यूटी में लापरवाही पर एसएसपी ने दो सिपाही किए लाइन हाजिर

अल्मोड़ा। ड्यूटी में लापरवाही बरतना एसओजी के दो कॉन्सटेबलों को भारी पड़ गया। दरअसल, अल्मोड़ा एसएसपी देवेन्द्र पींचा द्वारा जनपद पुलिस की कमान सभालते ही अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति रखते हुए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी के कार्यों की समीक्षा भी की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम व मादक पदार्थो के तस्करी में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु जनपद एसओजी के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें कांस्टेबल भूपेन्द्र पाल व मनमोहन सिंह के द्वारा ड्यूटी में लापरवाही बरतने व अपेक्षानुसार कार्यवाही नही किये जाने पर उक्त दोनों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से लाईन हाजिर किया गया है। साथ ही सभी थानाध्यक्ष व सम्बन्धितों को भी निर्देशित किया है कि ड्यूटी में लापरवाही व कार्य के प्रति उदासीनता प्रकाश में आने पर भविष्य में भी ऐसे अधिकारी, कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

हरिद्वार में स्कूल-कॉलेज 12 को बंद रहेंगे

हरिद्वार। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय, अद्र्धशास्कीय, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों, कॉलेजों में 12 फरवरी को अवकाश रहेगा। ऋषिकुल मैदान आयोजित होने वाले नारी शक्ति महोत्सव कार्यकम के कारण जिलाधिकारी धीरज सिंह गब्र्याल ने शिक्षण संस्थानों में अवकाश रखने के आदेश जारी किए हैं। हालांकि जिस शिक्षण संस्थान में परीक्षा होगी वहां अवकाश न रखने की बात भी आदेश में लिखी गई है। 12 फरवरी को होने वाले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नारी और मातृ शक्ति के पहुंचने की संभावना है।

चाइनीज मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई हो

हरिद्वार। डॉ. हरिराम आर्य इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने संदीप अरोड़ा के नेतृत्व में रविवार को कनखल थाना प्रभारी भावना कैंथोला को ज्ञापन देकर चाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने चाइनीज और प्लास्टिक मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संदीप अरोड़ा ने कहा कि चाइनीज मांझे से दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पशु-पक्षी भी चाइनीज मांझे की चपेट में आकर घायल हो रहे हैं। इस पर प्रभावी रोक लगाई जानी चाहिए। जितेंद्र वीर सैनी और राजन रावत ने कहा कि लंबे समय से चाइनीज और प्लास्टिक मांझे के खिलाफ आंदोलन किया जा रहा है। सरकार आज तक इसकी बिक्री पर रोक नहीं लगा सकी है। पूरन कश्यप और राजकुमार ने कहा कि चाइनीज मांझे का प्रयोग बंद करने के लिए बड़े स्तर पर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। दिनेश शर्मा और प्रमोद कुशवाहा ने बच्चों से चाइनीज मांझे का प्रयोग न करने की अपील की। दिनेश तेश्वर और मनोज ने कहा कि वह कई दिनों से चाईनीज मांझे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

शराब पीकर टैक्सी चलाने पर चालक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। दन्या पुलिस ने शराब पीकर टैक्सी चलाने पर चालक को गिरफ्तार किया है। एसएसपी देवेन्द्र पींचा द्वारा जनपद के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों व यातायात पुलिस अधिकारियों को जनपद में प्रभावी यातायात व्यवस्था एवं सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित वाहन चालकों के डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जनपद से 10 छात्र-छात्राएं चयनित

अल्मोड़ा। इंस्पायर अवार्ड मानक कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जनपद स्तरीय एग्जिबिशन एंड प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में 10 छात्र-छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा में आयोजित दो दिवसीय इंस्पायर अवार्ड मानक के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न विकासखंडों से इंस्पायर अवार्ड मानक के अंतर्गत चयनित छात्र-छात्राओं द्वारा अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। जिला सामान्यक इंस्पायर अवार्ड विनोद कुमार राठौर ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 08 एवं 09 फरवरी 2024 को नरेंद्र नगर टिहरी गढ़वाल में किया जाएगा। जिसमें चयनित छात्र छात्राएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद अल्मोड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी प्रतिभागियों तथा उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल तथा शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य शिक्षा अधिकारी अल्मोड़ा ए डी बलोदी, एनआईएफ से डॉ नवनीत कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा नंदन सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार उमेश चंद्र पांडे, राजेश बिष्ट, डॉ हेमचंद तिवारी, डॉ दीप जोशी आदि सहित मार्गदर्शक शिक्षक, अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक इंस्पायर अवार्ड विनोद कुमार राठौर द्वारा किया गया। निर्णायक के रूप में मुख्य भूमिका डॉ नवनीत कुमार, उमेश चंद्र पांडे तथा नंदन सिंह बिष्ट द्वारा निभाई गई।

साध्वियों पर हमला करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो : रविंद्रपुरी

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने पंजाब के बस्सी पठाना में साध्वियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही पंजाब सरकार से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि ब्रह्मलीन चक्रवर्ती महामंडलेश्वर स्वामी उषा माता द्वारा स्थापित जय मां मिशन धर्म संस्कृति व सेवा का प्रमुख केंद्र है। वर्तमान में मिशन से जुड़ी साध्वियां मिशन की धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने मिशन की संपत्ति पर कब्जे की नीयत से साध्वियों पर हमला किया। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि धार्मिक संपत्ति पर कब्जे की नीयत से वयोवृद्ध साध्वियों पर हमले को सहन नहीं किया जाएगा। जल्द ही अखाड़ा परिषद के संतों का एक प्रतिनिधिमंडल पंजाब के मुख्यमंत्री और डीजीपी से मिलकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेगा। महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानन्द सरस्वती, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद, महामंडलेश्वर स्वामी गर्व गिरी व स्वामी ऋषिश्वरानंद ने कहा कि सेवा कार्यों से जुड़ी धार्मिक संस्था की संपत्ति पर कब्जे की कोशिशों को संत समाज कतई सहन नहीं करेगा। कोठारी महंत जसविंदर सिंह, स्वामी बिपनानंद, स्वामी नागेंद्र महाराज, महंत गंगादास, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी दिनेश दास, स्वामी शिवम महंत, महंत निर्भय सिंह, महंत अमनदीप सिंह, महंत गोविंददास, महंत राघवेंद्र दास, महंत जयेंद्र मुनि आदि संतों ने भी साध्वियों पर हमले की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।